झूलेलाल चालीसा

॥ दोहा ॥

जय जय जल देवता,

जय ज्योति स्वरूप।

अमर उडेरो लाल जय,

झुलेलाल अनूप॥

॥ चौपाई ॥

रतनलाल रतनाणी नंदन,
जयति देवकी सुत जग वंदन।
दरियाशाह वरुण अवतारी,
जय जय लाल साईं सुखकारी।
जय जय होय धर्म की भीरा,
जिन्दा पीर हरे जन पीरा॥

संवत दस सौ सात मंझरा,
चैत्र शुक्ल द्विितिया भगऊ वारा।

ग्राम नसरपुर सिंध प्रदेशा,
प्रभु अवतरे हरे जन कलेशा॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

सिन्धु वीर ठट्ठा राजधानी,
मिरखशाह नऊप अति अभिमानी।

कपटी कुटिल क्रूर कूविचारी,
यवन मलिन मन अत्याचारी॥

धर्मान्तरण करे सब केरा,
दुखी हुए जन कष्ट घनेरा।

पिटवाया हाकिम ढिंढोरा,
हो इस्लाम धर्म चाहुँओरा॥

सिन्धी प्रजा बहुत घबराई,
इष्ट देव को टेर लगाई।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

वरुण देव पूजे बहुंभाती,
बिन जल अन्न गए दिन राती॥

सिन्धी तीर सब दिन चालीसा,
घर घर ध्यान लगाये ईशा।

गरज उठा नद सिन्धु सहसा,
चारो और उठा नव हरषा॥

वरुणदेव ने सुनी पुकारा,
प्रकटे वरुण मीन असवारा।

दिव्य पुरुष जल ब्रह्मा स्वरुपा,
कर पुष्तक नवरूप अनूपा॥

हिन्दीपथ.कॉम

हर्षित हुए सकल नर नारी,
वरुणदेव की महिमा न्यारी।

जय जय कार उठी चाहुँओरा,
गई रात आने को भौंरा॥

मिरखशाह नऊप अत्याचारी,
नष्ट करूँगा शक्ति सारी।

दूर अधर्म, हरण भू भारा,
शीघ्र नसरपुर में अवतारा॥

रतनराय रातनाणी आँगन,
खेलूँगा, आऊँगा शिशु बन।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

रतनराय घर ख़ुशी आई,
झुलेलाल अवतारे सब देय बधाई॥

घर घर मंगल गीत सुहाए,
झुलेलाल हरन दुःख आए।

मिरखशाह तक चर्चा आई,
भेजा मंत्री क्रोध अधिकाई॥

मंत्री ने जब बाल निहारा,
धीरज गया हृदय का सारा।

देखि मंत्री साईं की लीला,
अधिक विचित्र विमोहन शीला॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

बालक धीखा युवा सेनानी,
देखा मंत्री बुद्धि चाकरानी।

योद्धा रूप दिखे भगवाना,
मंत्री हुआ विगत अभिमाना॥

झुलेलाल दिया आदेशा,
जा तव नऊपति कहो संदेशा।

मिरखशाह नऊप तजे गुमाना,
हिन्दू मुस्लिम एक समाना॥

बंद करो नित्य अत्याचारा,
त्यागो धर्मान्तरण विचारा।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

लेकिन मिरखशाह अभिमानी,
वरुणदेव की बात न मानी॥

एक दिवस हो अश्व सवारा,
झुलेलाल गए दरबारा।

मिरखशाह नऊप ने आज्ञा दी,
झुलेलाल बनाओ बन्दी॥

किया स्वरुप वरुण का धारण,
चारो और हुआ जल प्लावन।

दरबारी डूबे उतराये,
नऊप के होश ठिकाने आये॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

नऊप तब पड़ा चरण में आई,
जय जय धन्य जय साईं।

वापिस लिया नऊपति आदेशा,
दूर दूर सब जन क्लेशा।

संवत दस सौ बीस मंझारी,
भाद्र शुक्ल चौदस शुभकारी॥

भक्तो की हर आधी व्याधि,
जल में ली जलदेव समाधि।

जो जन धरे आज भी ध्याना,
उनका वरुण करे कल्याणा॥

हिंदीपथ.कॉम

॥ दोहा ॥

चालीसा चालीस दिन,

पाठ करे जो कोय।

पावे मनवांछित फल,

अरु जीवन सुखमय होय॥

हिन्दीपथ.कॉम

अन्य चालीसा पढ़े

- हनुमान चालीसा
- शिव चालीसा
- दुर्गा चालीसा
- शनि चालीसा
- गणेश चालीसा
- लक्ष्मी चालीसा
- राम चालीसा
- विष्णु चालीसा
- गायत्री चालीसा
- काली चालीसा
- भैरव चालीसा
- सरस्वती चालीसा
- कृष्ण चालीसा
- सूर्य चालीसा
- महावीर चालीसा
- साईं चालीसा
- महाकाली चालीसा
- तुलसी चालीसा
- बगलामुखी चालीसा
- गोरख चालीसा
- गोपाल चालीसा
- नवग्रह चालीसा
- रविदास चालीसा
- बाला जी चालीसा
- महालक्ष्मी चालीसा
- पार्वती चालीसा

- खाटू श्याम चालीसा
- रामदेव चालीसा
- राधा चालीसा
- विश्वकर्मा चालीसा
- पितर चालीसा
- बटुक भैरव चालीसा
- जाहरवीर चालीसा
- गिरिराज चालीसा
- नर्मदा चालीसा
- प्रेतराज चालीसा
- संतोषी चालीसा
- गंगा चालीसा
- मनसा देवी
- चामुंडा देवी
- कैला चालीसा
- शारदा चालीसा
- ललिता चालीसा
- अन्नपूर्णा चालीसा
- श्री वैष्णो चालीसा
- परशुराम चालीसा
- विन्ध्येश्वरी चालीसा
- ब्रह्मा चालीसा
- शाकम्भरी चालीसा
- राणी सती चालीसा
- गंगाराम चालीसा
- बालक नाथ चालीसा
- मोहन राम चालीसा
- शीतला चालीसा
- वीरभद्र चालीसा
- चित्रगुप्त चालीसा

- नरसिंह चालीसा
- कुबेर चलीसा
- ज्वाला चालीसा
- गोलू चालीसा
- नैना देवी चालीसा
- जीण चालीसा
- जीण चालीसा
- झूलेलाल चालीसा
- करणी चालीसा

हिन्दीपथ.कॉम